Dainik Bhaskar (Indore), 07th March 2024, Page-02

पानी की रिपोर्ट होगी तैयार • केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने दी जिम्मेदारी, IIT गांधी नगर भी होगा साथ, नदी के दूषित क्षेत्रों व अन्य बिंदुओं पर करेंगे शोध

आईआईटी इंदौर करेगा 98 हजार वर्ग किमी में नर्मदा नदी बेसिन पर रिसर्च

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देश की प्रमुख नदियों में शामिल नर्मदा के 98 हजार 796 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के बेसिन पर आईईटी इंदौर रिसर्च करेगा। नदी के दूषित क्षेत्रों के अलावा कटाव वाले हॉट स्पॉट सहित अन्य बिंदुओं पर रिसर्च कर रिपोर्ट बनाई जाएगी। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने इंदौर और गांधी नगर आईआईटी को इस रिसर्च की जिम्मेदारी सौंपी है। नर्मदा के अलावा देश की पांच अन्य प्रमुख नदियों को लेकर रिसर्च की जाएगी। इसलिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय इंदौर आईआईटी सहित 12 शीर्ष तकनीकी संस्थाओं को यह काम सौंपा है। आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर मनीष कुमार गोयल और उनकी टीम यह काम करेगी। गोयल ने कहा कि आईआईटी इंदौर एक विस्तृत जल बजट रिपोर्ट बनाकर देगा। नदी के तलछट-दूषित क्षेत्रों और कटाव वाले हॉट स्पॉट की पहचान की जाएगी। साथ ही बाढ़ संभावित क्षेत्र का पता लगाया जाएगा। नर्मदा बेसिन का कुल जलग्रहण क्षेत्र 98 हजार 796 वर्ग किमी में से करीबी 86 फीसदी मध्यप्रदेश, 11 फीसदी गुजरात, 2 फीसदी महाराष्ट्र और करीब 1 फीसदी छत्तीसगढ़ में आता है।

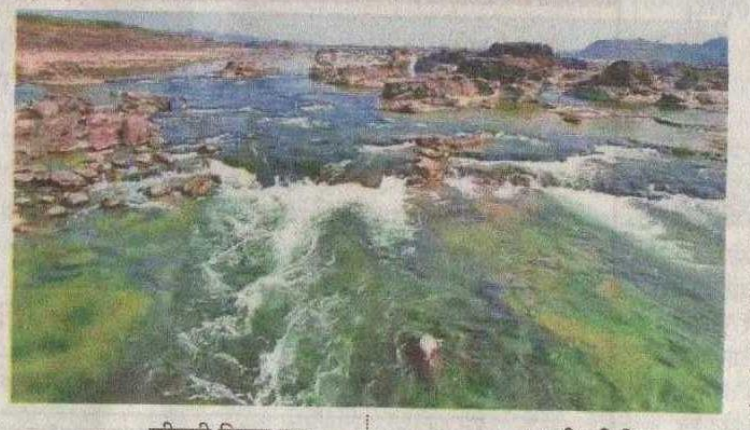

86 फीसदी हिस्सा मप्र में आता है नर्मदा बेसिन का

11 11 फीसदी हिस्सा बेसिन का गुजरात राज्य में आता है।

गंगा नदी बेसिन के बाद गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, पेरियार नदी पर भी रिसर्च होगी

आईआईटी कानपुर की लीडरशिप में देश के सात आईआईटी द्वारा बनाई गई गंगा नदी बेसिन प्रबंधन योजना की सफलता के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। इस बार नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, पेरियार, और महानदी के बेसिन को लेकर रिसर्च की जाएगी। इसे लेकर अलग-अलग आईआईटी के साथ एमओयू किए गए हैं। महानदी नदी बेसिन का अध्ययन एनआईटी रायपुर और एनआईटी राउरकेला करेगा। गोदावरी बेसिन का अध्ययन आईआईटी हैदराबाद और एनईईआरआई नागपुर करेंगे। कावेरी नदी बेसिन का अध्ययन आईआईएससी बेंगलुरु और एनआईटी त्रिची द्वारा किया जाएगा। पेरियार नदी बेसिन का प्रबंधन आईआईटी पलक्कड़ और एनआईटी कालीकट द्वारा किया जाएगा।